खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'समय-सरगम' उपन्यास की मुख्य समस्या को प्रस्तुत करते हुए पात्र योजना पर प्रकाश डालिए।

11. 'शेखर : एक जीवनी' एक व्यक्ति प्रधान मनोवैज्ञानिक उपन्यास है। इस कथन की विवेचना कीजिए।

12. 'जिंदगी और जोंक' कहानी के नायक 'रजुआ' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ कीजिए :

(i) कहानी के प्रमुख तत्त्व

(ii) समांतर कहानी

(iii) ऐतिहासिक उपन्यास

(iv) मनोवैज्ञानिक उपन्यास

MAHD–06

June – Examination 2023

M.A. (Final) Examination

HINDI LITERATURE

(कथा-साहित्य)

Paper : MAHD-06

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश : यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(i) 'भाग्यवती' उपन्यास के लेखक का नाम बताइए।

(ii) सक्रिय कहानी आंदोलन के संस्थापक का नाम लिखिए।

(iii) 'टूटना' कहानी के प्रमुख पात्रों का नामोल्लेख कीजिए।

(iv) 'जिंदगीनामा' उपन्यास के लेखक का नाम बताइए।

(v) किन्हीं **दो** ऐतिहासिक उपन्यासकारों के नाम लिखिए।

(vi) 'महाराजा का इलाज' कहानी के रचयिता का नाम लिखिए।

(vii) 'समय-सरगम' उपन्यास के प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए।

(viii) द्विवेदी-युगीन **दो** कहानीकारों के नाम बताइए।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''महाराज को साधारण लोग-बाग की तरह कोई साधारण बीमारी नहीं थी। देश-विदेश से आये हुए बड़े डॉक्टर भी उनकी बीमारी का निदान और उपचार करने में मुँह की खा गये थे। लोगों का विचार था कि चिकित्साशास्त्र के इतिहास में ऐसा रोग अब तक देखा-सुना नहीं गया। ऐसे राज रोग को कोई साधारण आदमी झेल भी कैसे सकता था।''

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''दो धुंधली, जलभरी आँखें, दो उदास आँखों से मिलीं। उनमें एक मूक अनुनय थी। सुबोध ने माँ के चेहरे को देखा और मुस्कुरा दिया। शब्द निरर्थक थे। दोनों एक-दूसरे की गोपन व्यथा में परिचित थे। उनमें एक मूल समझौता था। माँ ने इधर बहुत दिनों से सुबोध की नौकरी के विषय में नहीं पूछा था और सुबोध भी अपने आप यह प्रसंग न छेड़ना चाहता था।''

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''वाजिद अली शाह का समय था। लखनऊ विलासिता के रंग में डूबा हुआ था। छोटे-बड़े, गरीब-अमीर सभी विलासिता में डूबे हुए थे। कोई नृत्य और ज्ञान की मजलिस सजाता था, तो कोई अफीम की पीनक ही में मजे लेता था। जीवन के प्रत्येक विभाग में आमोद-प्रमोद का प्राधान्य था। शासन-विभाग में, साहित्य क्षेत्र में, कला कौशल में, उद्योग-धन्धों में, आहार-विहार में सर्वत्र विलासिता व्याप्त थी।''

5. उपन्यास और कहानी में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए।

6. 'पिता' कहानी की मूल संवेदना को प्रस्तुत कीजिए।

7. 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास की नारी पात्र राशि का चरित्र-चित्रण कीजिए।

8. 'मेहता' और 'मालती' के चरित्रों की विवेचना कीजिए।

9. 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' कहानी की कथावस्तु लिखिए।